सुविधा : आरा से बगहा के बीच बनेगा नया राष्ट्रीय राजमार्ग

'नारायणी-गंगा कॉरिडोर' बनाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को भेजा प्रस्ताव

तैयारी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में एक और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) बनेगा। प्रस्तावित एनएच बगहा से भोजपुर तक बनेगा। 225 किलोमीटर लम्बाई की इस सड़क पर करीब चार हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। राज्य के उत्तरी से पश्चिमी हिस्से के बीच सुलभ सम्पर्कता के लिए पथ निर्माण विभाग ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह इसकी फिजिबिलिटी (संभाव्यता) रिपोर्ट तैयार करे ताकि डीपीआर बनाने की कार्रवाई शुरू की जा सके। प्रस्तावित एनएच पर तेजी से काम हो सके, इसके लिए सरकार के शीर्ष स्तर पर एक स्मार पत्र भी लिखने की तैयारी चल रही है। विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के उत्तर से दक्षिण के बीच सड़क संपर्क सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए बगहा से भोजपुर तक प्रस्तावित एनएच को ग्रीनफील्ड हाईस्पीड कॉरिडोर के तौर पर विकसित किया जाएगा।

इसका नाम 'नारायणी-गंगा कॉरिडोर' दिया गया है। प्रस्तावित कॉरिडोर बगहा (एनएच-727ए) से भोजपुर जिले के पातर तक बनेगा। इस कॉरिडोर में गंडक नदी पर एक नए पुल का प्रस्ताव भी शामिल है। पातर (आरा) में यह कॉरिडोर पटना-आरा-सासाराम हाईस्पीड कॉरिडोर (एनएच-119ए) से जुड़ जाएगा। इस तरह बगहा से आरा होते हुए सासाराम और वाराणसी-कोलकाता होते हुए उत्तरप्रदेश और आगे का भी सफर आसान हो जाएगा।

एक नजर में परियोजना

- 225 किलोमीटर लंबी होगी यह ग्रीनफील्ड सड़क
- 3950 करोड़ खर्च होगा जमीन अधिग्रहण में
- 11500 करोड़ रुपये इसके निर्माण पर होगा खर्च
- 15450 करोड़ रुपये कुल परियोजना पर खर्च होगा

225 किमी लंबी इस सड़क पर खर्च होंगे लगभग 15450 करोड़

- सासाराम और वाराणसी-कोलकाता होते हुए यूपी व आगे का भी सफर आसान हो जाएगा
- अब केन्द्र सरकार इस सड़क की फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाएगी
- इस सड़क के बनने से आधा दर्जन से अधिक जिलों को होगा लाभ

हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे

इस कॉरिडोर से राज्य के उत्तर-पश्चिम कोने की सीधी संपर्कता दक्षिण-पश्चिम कोने से हो जाएगी। इससे भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण को त्वरित संपर्कता हासिल होगी। साथ ही इसके पार्श्व में सड़कों का नया संजाल विकसित किया जा सकेगा। अभी आरा और छपरा के बीच अवस्थित गंगा पुल पर अतिव्यस्त यातायात की स्थिति देखी जाती है। बड़ी संख्या में भारी वाहन शामिल रहते हैं। लिहाजा गंगा नदी पर रिविलगंज में एक और पुल के निर्माण पर भी विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित नारायणी-गंगा कॉरिडोर राज्य में सुदूर उत्तर से दक्षिण तक की यात्रा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुगम और सुरक्षित सड़क संपर्क के विजन के अनुरूप होगा। विभाग का मानना है कि इसके बनने से पिछड़े इलाकों का तेजी से विकास होगा। साथ ही हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।